भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 706

दिनांक 02.12.2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

पेयजल और स्वच्छता योजनाएँ

706. श्री चन्देश्वर प्रसाद:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जहानाबाद**,** अरवल और गया जिलों सहित बिहार में पेयजल और स्वच्छता योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति क्या है;

(ख) क्या वहाँ आपूर्ति किए जाने वाला पेयजल कभी-कभी असुरक्षित होता है**;** और

(ग) यदि हां**,** तो इस संबंध में सरकार द्वारा की गई या की जाने वाली कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क): अगस्त 2019 से, भारत सरकार वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार हेतु नल जल की व्यवस्था करने के लिए राज्यों के साथ भागीदारी से जल जीवन मिशन (जेजेएम) कार्यान्वित कर रही है। बिहार सरकार द्वारा सूचित किए गए अनुसार, राज्य में 1.72 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से, आज की तारीख के अनुसार, 1.53 करोड़ (88.95%) परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान कर दिए गए हैं। इन तीन जिलों में ग्रामीण परिवारों (एचएच) को प्रदान किए गए नल जल कनेक्शनों का ब्यौरा निम्नवत है:

जिला	कुल ग्रामीण परिवार (लाख में)	नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए परिवारों की संख्या (लाख में)	नल जल आपूर्ति के प्रावधान वाले परिवारों का %
जहानाबाद	1.72	1.64	94.89
अरवल	1.22	1.21	99.77
गया	5.78	5.76	99.60

राज्य द्वारा सूचित किए गए अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत, वर्ष 2014-15 से वर्ष 2021-22 तक बिहार में 1.21 करोड़ व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) का निर्माण किया जा चुका है, तथा राज्य में सभी 38,691 गांवों ने स्वयं को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर दिया है। जहानाबाद**,** अरवल और गया जिलों में निर्मित आईएचएचएल की संख्या निम्नवत है:

जिला	निर्मित व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों की संख्या (लाख में)
जहानाबाद	1.02
अरवल	0.90
गया	4.29

ओडीएफ के परिणाम हासिल करने के पश्चात, देश में ओडीएफ की स्थिति को बनाए रखने तथा ठोस और तरल कचरा प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) के तहत सभी गांवों को कवर करने के लिए एसबीएम (जी) का चरण-।। कार्यान्वित किया जा रहा है जिसमें बिहार के सभी जिलें शामिल हैं।

(ख) और (ग): राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आपूर्तित पेयजल की गुणवत्ता की निगरानी करने और पता लगाने में समर्थ बनाने तथा स्थानीय समुदाय को भी निगरानी के लिए फील्ड टेस्ट किटों (एफटीके) का उपयोग करके जल के नमूनों के परीक्षण में समर्थ बनाने के लिए एक ऑनलाइन जेजेएम-जल गुणवत्ता प्रबंधन सूचना प्रणाली (डब्ल्यूक्यूएमआईएस) विकसित की गई है। जहानाबाद, अरवल और गया जिलों में जल गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों वाली किसी बसावट की सूचना नहीं मिली है।

****